राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 69 | जौनपुर गुरूवार, 23 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

‘ऑपरेशन सिंदूर’ आर्मी, नेवी व एयरफोर्स की असाधारण संयुक्तता एवं एकीकरण का उदाहरण : रक्षा मंत्री राजनाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ थल, नौसेना और वायुसेना के बीच असाधारण संयुक्तता एवं एकीकरण का उदाहरण है। यह बात बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आयोजित एक पुस्तक विमोचन समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि पारंपरिक रक्षा दृष्टिकोण आज के समय में पर्याप्त नहीं है, क्योंकि अब युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, बल्कि वे हाइब्रिड और असममित स्वरूप ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भविष्य के लिए तैयार सशस्त्र बल बनाने के लिए कई साहसिक और निर्णायक सुधार किए हैं, जिससे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके। सिर्फ भगवान को प्रसन्न करने के लिए नहीं, सेहत के लिए भी

है फायदेमंद राजनाथ सिंह ने कहा, ”सरकार ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के पद सृजन करने का ऐतिहासिक कदम उठाया। यह कदम तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और तालमेल को मजबूत करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। इसका परिणाम पूरी दुनिया ने श्ऑपरेशन सिंदूरश के दौरान देखा। पाकिस्तान आज भी हमारे सशस्त्र बलों द्वारा किए गए करारे प्रहार से उबर नहीं पाया है।“ रक्षा मंत्री ने लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला (सेवानिवृत्त) द्वारा लिखित पुस्तक ‘सिविल–मिलिट्री फ्यूजन ऐज ए मेट्रिक ऑफ नेशनल पावर एंड कॉम्प्रिहेंसिव सिक्योरिटी’ का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि सिविल–मिलिट्री फ्यूजन को केवल एकीकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक साधक के रूप में देखा जाना चाहिए, जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, प्रतिभा को संरक्षित रखता है और देश को तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करता है। जेपी नड्डा आज गोह और पातेपुर में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं उन्होंने कहा, ”यह फ्यूजन तभी संभव है जब हम अपनी सिविल इंडस्ट्री, प्राइवेट सेक्टर, अकादमिक जगत और रक्षा क्षेत्र को एक साझा राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए जोड़ें।

शाह–मोदी! मिशन बिहार पर अमित शाह का तीन दिवसीय दौरा

पटना, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अक्टूबर को अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करने वाले हैं। उनका पहला पड़ाव बेहद प्रतीकात्मक है, जहाँ वे समस्तीपुर के कर्पूरी ग्राम में भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस कदम को राज्य में एक महत्वपूर्ण मतदाता वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के लिए एक रणनीतिक अपील के रूप में देखा जा रहा है। पटना के स्थानीय कार्यक्रमबिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के बड़े नेता चुनाव प्रचार में जुट गए हैं और प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चुनावी सभा के लिये पटना पहुंचेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। भाजपा सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जहां बृहस्पतिवार को बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचेंगे, वहीं प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को समस्तीपुर में अपनी पहली रैली करेंगे और चुनावी अभियान का बिगुल फूकेंगे। भाजपा सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बृहस्पतिवार को पटना पहुंचेंगे। शाह तीन दिन तक बिहार के दौरे पर रहेंगे और विभिन्न जिलों में चुनावी सभाएं करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शाह बृहस्पतिवार को पटना पहुंचने के बाद पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

व्यापारी को नाक रगड़वाने की घटना पर बवाल

मेरठ, (एजेंसी)। मेरठ के तेजगढ़ी चौराहे पर कपड़ा व्यापारी से अभद्रता कर सड़क पर नाक रगड़वाने के आरोप में घिरे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा की जिला इकाई के उपाध्यक्ष विकुल चपराणा के खिलाफ पार्टी ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सभी पदों से हटा दिया है। किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर ने बुधवार को आदेश जारी कर विकुल को सभी पदों से तत्काल प्रभाव से हटाते हुए उनकी प्राथमिक सदस्यता भी निलंबित कर दी। इस मामले में पुलिस ने विकुल के तीन सहयोगियों हैप्पी भड़ाना, आयुष शर्मा और सुबोध यादव को भी देर रात गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य की तलाश जारी है। अधिकारियों के अनुसार, इनके खिलाफ दर्ज मुकदमे में मार्ग अवरुद्ध करने और वाहन में तोड़फोड़ करने की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि व्यापारी सत्यम रस्तोगी से नाक रगड़वाकर माफी मंगवाने की घटना की जांच पुलिस अधीक्षक (नगर) को सौंपी गई है। विकुल को गिरफ्तारी के बाद अदालत से जमानत मिल गई थी। भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर ने अपने पत्र में लिखा है कि विकुल का यह आचरण पार्टी की मर्यादा और अनुशासन के विरुद्ध है तथा यह ‘‘आपराधिक मानसिकता’’ को दर्शाता है। घटना के बाद विपक्षी दलों और व्यापारिक संगठनों ने भी मोर्चा खोल दिया है।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव चार नवंबर को प्रस्तावित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनाव समिति के अध्यक्ष रविकांत द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में कहा गया है कि मतदान चार नवंबर को दो सत्रों में होगा– सुबह नौ बजे से अपराह्न एक बजे तक और दोपहर ढाई बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक। मतगणना रात नौ बजे शुरू होगी। जवाहरलाल नेहरू विश्व विद्यालय छात्र संघ की चुनाव समिति ने बृहस्पतिवार को 2025–26 के छात्र संघ चुनावों के लिए अस्थायी कार्यक्रम जारी किया, जिसके तहत चार नवंबर को मतदान होगा और छह नवंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया 24 अक्टूबर को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक अनंतिम मतदाता सूची जारी होने तथा उसमें संशोधन शुरू करने के साथ शुरू होगी। नामांकन पत्र 25 अक्टूबर को दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे के बीच जारी किए जाएंगे। उम्मीदवार 27 अक्टूबर को सुबह साढ़े नौ बजे से शाम पांच बजे तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। वैध नामांकनों की सूची 28 अक्टूबर को सुबह 10 बजे जारी की जाएगी और उसी दिन अपराह्न दो बजे से शाम पांच बजे के बीच नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। उम्मीदवारों की अंतिम सूची शाम सात बजे तक जारी कर दी जाएगी और उसके बाद रात आठ बजे प्रचार के लिए स्थान आवंटन के साथ एक प्रेस वार्ता होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सनातन संस्कृति की धारा बहाने के लिए किए कई प्रयास : सीएम मोहन

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में सनातन संस्कृति की धारा बहाने के अनेक प्रयास किए हैं। उन्होंने राज्य की व्यापारिक नगरी इंदौर के हनोता स्थित रेशम केंद्र गौशाला में आयोजित गोवर्धन पूजा में यह बात कही। मुख्यमंत्री यादव ने भारतीय समाज के लिए उपयोगी गाय की खूबियों का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे जन्म को सार्थक करने के लिए परमात्मा ने एक गौ माता पहले से ही हमारे बीच पहुंचा दी है जो अपने बच्चों का भी लालन–पालन करती है और हमें भी दूध देती है। हमारे यहां कोई आश्रम नहीं है जहां गोवंश न हो, कोई घर ऐसा नहीं है जहां गोपाल

न हो। कहा– गौ–संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भारतीय संस्कृति में गोवर्धन पर्व के महत्व को बताते हुए कहा कि गोवर्धन, गोसंवर्धन यह जो उत्सव है सभी अर्थों में एक ही भाव निकालता है। गोवंश और मनुष्य वंश अलग–अलग हो ही नहीं सकता, यह परस्पर एक दूसरे पर ही निर्भर होते है। वर्तमान दौर के समाज में कुपोषण एक बड़ी समस्या बन गई है, मगर पूर्व काल में कुपोषण जैसी समस्या नहीं थी। उन्होंने इसकी चर्चा करते हुए कहा कि पहले हमारे यहां कुपोषण का सवाल ही नहीं था। जिसके घर में गौ माता है, उसके बच्चे सहित पूरे परिवार वाले वैसे ही स्वस्थ रहते हैं जो गाय के दूध और घी का रोज सेवन करते हैं। वे अपनी कई सारी बीमारियों को भी खत्म करते हैं। गौ माता का कवच हमारा जीवन सुरक्षित करता है। बोले –भ्रष्टाचार और वित्तीय कुप्रबंधन के कारण पिछड़ रहा प्रदेश गायों के संवर्धन के लिए सरकार और समाज मिलकर काम करें, इस पर जोर देते हुए ।

जेपी नड्डा ने गोह और पातेपुर में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चल रहे प्रचार अभियान के तहत 23 अक्टूबर यानी (गुरुवार) को बिहार का दौरा करेंगे। इस संदर्भ में भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह–प्रमुख, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं बिहार विधान परिषद् में भाजपा के मुख्य सचेतक डॉ. संजय मयूख ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। सेहत के लिए भी है फायदेमंद जगत प्रकाश नड्डा गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए एक दिवसीय प्रवास पर बिहार रहेंगे, जहां वे औरंगाबाद जिले की गोह विधानसभा और वैशाली जिला की पातेपुर विधानसभा में विशाल रैलियों को संबोधित करेंगे। नड्डा गुरुवार को 11 बजे पटना हवाई अड्डा पहुंचेंगे, उसके बाद वे गोह (औरंगाबाद) के लिए प्रस्थान करेंगे। नड्डा दोपहर 12 बजे गोह विधानसभा के हाईस्कूल खेल मैदान (बड़ी फील्ड), हसपुरा में भाजपा

प्रत्याशी रणविजय सिंह के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। सार्वजनिक परिवहन सुचारू रूप से संचालित हो रहा रू पंकज कुमार सिंह इसके बाद जेपी नड्डा पातेपुर विधानसभा (जिला वैशाली) के लिए प्रस्थान करेंगे। वे दोपहर 2 बजे पातेपुर में रामचंद्र सिंह उच्च विद्यालय खेल मैदान के प्रांगण में भाजपा प्रत्याशी लखेंद्र कुमार रौशन के समर्थन में विशाल रैली को संबोधित करेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बिहार में ताबड़तोड़ रैलियां करेंगे। पीएम मोदी सबसे पहले 24 अक्टूबर को समस्तीपुर का दौरा करेंगे, जहां वे कर्पूरी ग्राम में भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के घर जाएंगे और उन्हें श्रद्धांजलि देकर चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। तरुण चुघ उसी दिन, 24 अक्टूबर को, पीएम मोदी पहले समस्तीपुर और फिर बेगूसराय में विशाल जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी सभा करेंगे। बिहार में प्रधानमंत्री के चुनावी कार्यक्रम 2 नवंबर, 3 नवंबर, 6 नवंबर और 7 नवंबर को भी होंगे। अगर अमित शाह की चुनावी रैलियों के शेड्यूल की बात करें तो वे 23 अक्टूबर को बिहार पहुंचेंगे और 24 अक्टूबर को सीवान और बक्सर में सार्वजनिक रैलियों को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे 25 अक्टूबर को नालंदा, मुंगेर और खगड़िया में रैलियां करेंगे।

छठ महापर्व पर मुख्यमंती रेखा गुप्ता का बड़ा संकल्प

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि सरकार 2021 में छठ पूजा के दौरान कानून–व्यवस्था के मुद्दों पर श्रद्धालुओं के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेगी और कहा कि शहर भर में 1,000 से अधिक घाट बनाकर राजधानी में यह त्योहार अपने सबसे भव्य पैमाने पर मनाया जाएगा। दिल्ली सचिवालय में बोलते हुए, गुप्ता ने कहा कि उत्तर में पल्ला से लेकर दक्षिण में कालिंदी कुंज तक, यमुना के किनारे 17 मॉडल घाट विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक में टेंट, शौचालय, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था की व्यवस्था होगी। प्रत्येक जिले में कम से कम एक मॉडल घाट होगा, जबकि 200 घाटों पर भोजपुरी और मैथिली में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता छठ पर्व की तैयारियों को लेकर उपराज्यपाल वी के सक्सेना की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित एक समीक्षा बैठक में शामिल हुईं। गुप्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में बैठक की तस्वीर भी साझा की। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली में छठ पर्व में शामिल हर श्रद्धालु को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बैठक में दिल्ली के संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा और दिल्ली तथा हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि भव्य छठ उत्सव की तैयारी चल रही है और उपराज्यपाल तथा सरकार समेत सभी लोग इसमें जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा, ‘‘ हमने हरियाणा के मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के

मुख्यमंत्री कार्यालय से भी बात की।’’ मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार छठ की छुट्टियों पर भी फैसला लेगी। पूर्वांचली त्योहार छठ को दिवाली के बाद पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में बड़ी संख्या में लोग मनाते हैं। दिल्ली में पूर्वांचलियों की अच्छी–खासी आबादी है और कुछ अनुमानों के अनुसार, वे दिल्ली की आबादी के छठे हिस्से से भी अधिक हैं। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आईटीओ छठ घाट का दौरा कर चल रही सफाई और तैयारी का जायजा लिया और सफाई अभियान में भी हिस्सा लिया। इसी प्रकार, सांसद मनोज तिवारी और मंत्री रविंदर इंद्राज ने भी घाटों पर सफाई अभियान का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश स्थलों पर चिकित्सा वैन, सफाई कर्मचारियों और मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 27 और 28 अक्टूबर को शाम और सुबह, डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देने आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए फूलों की सजावट और भव्य प्रवेश द्वारों की योजना बनाई गई है।

नितिन गडकरी के निजी सहायक के बंगले में चोरी की कोशिश, सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पुलिस ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के निजी सहायक के नागपुर स्थित बंगले में चोरी की कोशिश करने के आरोप में एक सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रतन कार्तिक कस्तूरे (33) के रूप में हुई है। गडकरी के निजी सहायक कौस्तुभ फलटणकर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार यह घटना सोमवार रात की है। शिकायत में बताया गया कि फलटणकर की पत्नी बंगले के भूतल पर वकील का कार्यालय चलाती हैं।

इसमें कहा गया कि बंगले में हाल में सुरक्षा गार्ड के रूप में नियुक्त कस्तूरे ने रात 10 बजकर 55 मिनट पर कार्यालय में कथित तौर पर प्रवेश किया और चोरी करने के इरादे से एक दराज खोलने की कोशिश की। जब घर के एक कर्मचारी ने यह देखा तो फलटणकर को सूचित किया। इसके बाद फलटणकर ने कार्यालय पर ताला लगा दिया और पुलिस को बुलाया। बेलतरोडी पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 305 (2) (आवास में चोरी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है।

चिराग पासवान का हौसला तोड़ने वालों को सीधा संदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए गठबंधन जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठकर बिहार के हर युवा के लिए रोजगार सुनिश्चित करने के विजन के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने उनकी भावना को तोड़ने के प्रयासों को भी याद किया। केंद्रीय मंत्री ने राजद और कांग्रेस के महागठबंधन पर 6 नवंबर और 11 नवंबर को होने वाले चुनावों से पहले बिहारियों को सांप्रदायिक और जातीय आधार पर बांटने का भी आरोप लगाया। चिराग पासवान ने यहाँ एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनका डल समीकरण क्या है? ड बिहारियों को सांप्रदायिक आधार पर बाँट

रहा है। ल बिहारियों को जातीय आधार पर बाँट रहा है। इसी तरह, हम भी डल समीकरण की बात करते हैं, लेकिन हमारे ड में न केवल देश, बल्कि दुनिया का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएँ शामिल हैं। इसी तरह, ल न केवल देश, बल्कि दुनिया के युवाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने रामविलास पासवान का जिक्र करते हुए खुद को शेर का बेटा बताया। पासवान ने आगे कहा कि हम इसी डल समीकरण के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। मैं जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठकर यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि हर बिहारी युवा को रोजगार मिले। हर बिहारी महिला को सम्मान मिले। बुजुर्गों को उनके अधिकार मिलें। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि किसानों और मजदूरों को उनका हक मिले। हमारा गठबंधन इसी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। चिराग पासवान को हराने, तोड़ने की अनगिनत कोशिशें की गईं। लेकिन मैं खगड़िया का बेटा हूँ। मैं शेर का बेटा हूँ। मैं रामविलास पासवान का बेटा हूँ। इससे पहले 19 अक्टूबर को, चिराग पासवान ने बिहार में महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ष्डलष् समीकरण को नए सिरे से परिभाषित किया।

देवेंद्र फडणवीस का 2029 तक सीएम रहने का किया दावा

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि वह 2029 तक अपने वर्तमान पद पर बने रहेंगे और सत्तारूढ़ गठबंधन की संरचना में कोई बदलाव नहीं होगा। राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, जहाँ तक मुझे अपनी पार्टी का पता है...दिल्ली अभी बहुत दूर है। मैं 2029 तक महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बना रहूँगा। वह दिवाली के अवसर पर मुंबई स्थित अपने आधिकारिक आवास श्वर्षाश में मीडियाकर्मियों से बातचीत में बोल रहे थे। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि वर्तमान सत्तारूढ़ गठबंधन, जिसमें भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राकांपा शामिल हैं, में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, न तो कोई नया साझेदार बनेगा और न ही साझेदारों की अदला–बदली होगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने स्थानीय निकाय चुनावों से पहले राज्य की मतदाता सूची में विसंगतियों का आरोप लगाने के लिए विपक्ष पर भी निशाना साधा। स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रवक्ता सचिन सावंत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का यह बयान कि वह 2029 तक शीर्ष पद पर बने रहेंगे, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए एक अप्रत्यक्ष संदेश है। राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका के सवाल पर फडणवीस ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा था, ”दिल्ली अभी दूर है।“ और स्पष्ट किया कि वह 2029 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। सावंत ने ‘पीटीआई वीडियो’ से कहा, ”यह उन लोगों के लिए एक अप्रत्यक्ष संदेश है, जो मुख्यमंत्री पद पर नजर गड़ाए हुए हैं। वह सीधे शिंदे साहब से तो बोल नहीं सकते, इसलिए अप्रत्यक्ष रूप से यह बात कह रहे हैं। साथ ही, वह अपनी पार्टी के उन लोगों को भी संकेत दे रहे हैं, जो स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं।’’ राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। शिवसेना से 2022 में अलग होने के बाद शिंदे पिछले विधानसभा चुनावों तक मुख्यमंत्री रहे, जबकि फडणवीस उपमुख्यमंत्री थे। फडणवीस ने बुधवार को स्पष्ट किया कि मौजूदा सत्तारूढ़ व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, ”न तो कोई नया सहयोगी होगा और न ही मौजूदा सहयोगियों का चेहरा बदलेगा।“ सावंत ने दावा किया कि फडणवीस का यह बयान भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के लिए भी एक संदेश है कि वह ”इस डर से अपना पद नहीं छोड़ेंगे कि राजस्थान, मध्यप्रदेश या उत्तराखंड की तरह कोई और उनकी जगह ले सकता है।“ कांग्रेस नेता ने कहा, ”फडणवीस को मुख्यमंत्री पद से हटाने की कोशिशें हो रही हैं। वह बार–बार दिल्ली के चक्कर लगाते हैं, जहां उनका स्वागत–सत्कार होता रहता है। इससे उनका डर और बढ़ जाता है। इसलिए, मुख्यमंत्री यह दावा कर रहे हैं कि वह पद नहीं छोड़ेंगे।“ समाजवादी पार्टी के नेता अबु आजमी द्वारा आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा पर सावंत ने कहा कि कांग्रेस में चुनाव संबंधी सभी निर्णय पार्टी आलाकमान द्वारा स्थानीय नेताओं के परामर्श से लिए जाएंगे।

संपादकीय

आत्मघात की नादानी

यह शर्मसार करने वाली बात है कि दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में हो रही है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। दिल्ली में एक्यूआई का स्तर पौने चार सौ के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाना कई इंजनों वाली सरकारों और समाज की सामूहिक विफलता को ही दर्शाता है। बताते हैं कि दिल्ली की आबोहवा पिछले पांच सालों के सबसे खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। मजबूरी की स्थिति में दिल्ली सरकार को ग्रैप–2 की सख्त नीतियां लागू करनी पड़ी हैं। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप–2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है। बहरहाल, कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि बच्चों और बुजुर्गों पर इस संकट का कितना नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा होगा। देश में लाखों लोग श्वास संबंधी रोगों के कारण जीवन गंवा रहे हैं। सवाल यह है कि इस संकट को दूर करने के लिए, जो ग्रैप–2 सिस्टम लागू किया जाता है, क्या उसे इस संकट के हर साल आने की स्थिति को देखते हुए पहले से नहीं लागू किया जा सकता? धूल को उड़ने से रोकने और हवा में प्रदूषण कम करने के लिए पानी का छिड़काव क्या शेष महीनों में नहीं किया जाता? अब ट्रैफिक को नियंत्रित करने की बात की जा रही है ताकि सिग्नल पर गाड़ियां ज्यादा देर खड़ी न हों, जिससे प्रदूषण अधिक नहीं हो। आखिर क्यों हम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त नहीं करते ताकि सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या को कम किया जा सके?

बढ़ते जोखिमों के बीच विकास दर अनुमान में बढ़ोतरी

विजय

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने भी भारत को लेकर अपने अनुमान को 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। लिहाजा, 2025 में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि, अमेरिका, यूरोपियन देशों और उभरते बाजारों की वृद्धि भी, विभिन्न कारणों से, तेज होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में भारत के अपने सकल घरेलू उत्पाद विकास दर अनुमान को 30 आधार अंकों की वृद्धि देते हुए, चालू वित्त वर्ष के लिए 6.8 प्रतिशत बताया है। इसके बाद, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने भी भारत को लेकर अपने अनुमान को 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। लिहाजा, 2025 में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि, अमेरिका, यूरोपियन देशों और उभरते बाजारों की वृद्धि भी, विभिन्न कारणों से, तेज होने की उम्मीद है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उच्च टैरिफ और भू–राजनीतिक अनिश्चितताएं लगातार बने रहने के बावजूद वैश्विक आर्थिक गतिविधियां लचीलापन लिए हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उससे जुड़ी तकनीकों और बुनियादी ढांचा विकास, खासकर डेटा केंद्रों में निवेश से चालित है। इससे घरेलू स्तर पर और यूरोप एवं एशिया में भी, डेटा केंद्रों के निर्माण और अन्य आवश्यक इनपुट की मांग बढ़ी है। एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार, 2025 में अमेरिका की अनुमानित 1.9 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा ऐसे निवेशों से आएगा। हालांकि कुछ लोग कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र में निवेश को जोखिम भरा मानते हैं। उभरते बाजारों और एशिया में, विकास दो अलग–अलग चरण में होने की उम्मीद है। वर्ष की पहली छमाही में अमेरिका को निर्यात में तेजी आने से लाभ हुआ, जिससे दूसरी छमाही में लागू होने वाली उच्च टैरिफ के असर से बचा जा सका। हो सकता है टैरिफ में और बढ़ोतरी से यह प्रवृत्ति वर्ष के उत्तरार्ध में जारी न रहे। एशिया में सबसे ज़्यादा अमेरिकी टैरिफ का सामना भारत को करना पड़ा रहा है। हालांकि फार्मास्यूटिकल्स और स्मार्टफोन जैसे क्षेत्र को, जो अमेरिका को होने वाले भारत के कुल निर्यात का एक–चौथाई हिस्सा हैं, टैरिफ से छूट दे रखी है, लेकिन व्यापार समझौते के अभाव में वर्ष की दूसरी छमाही में टैरिफ में और वृद्धि होने की उम्मीद है। इस सबके बावजूद, भारत की विकास दर के पूर्वानुमान को बढ़ा दिया गया है। ऐसा क्यों? चालू वित्त वर्ष की शुरुआत मजबूत रही और पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई, जो उम्मीदों से ज़्यादा रही। इसके पीछे की वजह निजी खपत में बढ़ोतरी, सरकारी पूंजीगत व्यय और सेवा क्षेत्र में हुई वृद्धि रही और इसने पूर्वानुमानों में बढ़ोतरी की। देश के नियंत्रण से बाहर, लेकिन महत्वपूर्ण आर्थिक निहितार्थ वाले कारक काफी हद तक अनुकूल रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतें पिछले वित्त वर्ष में 78.9 डॉलर प्रति बैरल से घटकर इस वित्तीय वर्ष में औसतन 64 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद है। कच्चे तेल की कम कीमतें मुद्रास्फीति और चालू खाता घाटे (सीएडी) को नियंत्रण में रखने में मदद करती हैं, जिससे विकास को बढ़ावा मिलता है। कैलेंडर वर्ष 2024 और 2025 में मानसून की बारिश सामान्य से अधिक और लंबी चली, और देश में अखिल भारतीय वर्षा स्तर के औसत से 8 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। हालांकि, वर्षा वितरण विकृत रहा और अत्यधिक वर्षा भुगतने वाले इलाकों की संख्या 2025 में दोगुनी हो गई। जहां पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और तेलंगाना में फसल को भारी नुकसान हुआ है वहीं अन्य क्षेत्रों में खेती के अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, चावल और गेहूं का आपातकालीन भंडार, अनाज भंडारण मानकों से ऊपर बना हुआ है। सर्दियों की फसलों, जिन्हें ज्यादातर सिंचाई की जरूरत पड़ती हैं, को बेहतर हुए भूजल और जलाशय स्तर से लाभ मिलने की उम्मीद है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को बाहरी स्वस्थ संकेतकों और मजबूत बैलेंस शीट का साथ मिला हुआ है। चालू खाता घाटा (सीएडी) कम है और पूरे वित्त वर्ष के लिए जीडीपी के 1 प्रतिशत से नीचे रहने की उम्मीद है। अस्थिर पूंजी प्रवाह वाले आज

के अनिश्चितता भरे वातावरण में कम सीएडी का वित्तपोषण चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हाल के महीनों में, भारत ने विशुद्ध पूंजी निर्मगन का अनुभव किया है। हालांकि, एक स्वस्थ विदेशी मुद्रा भंडार के साथ कम सीएडी का अर्थ है कि भारत अपने वित्तपोषण के लिए विदेशी प्रवाह पर निर्भर नहीं है। भारत के निर्यात का लगभग आधा हिस्सा सेवा क्षेत्र की बदौलत है, जो नई अमेरिकी टैरिफ व्यवस्था से वस्तु व्यापार पर पड़ने वाले असर की तुलना में कम प्रभावित रहा है। इस वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में, सेवा क्षेत्र निर्यात में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वस्तु निर्यात में 3.9 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक रहा। बड़े और मध्यम आकार के निगमों की बैलेंस शीट मजबूत हैं। क्रिसिल रेटिंग्स के एक हालिया अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कॉर्पोरेट क्रेडिट गुणवत्ता मजबूत है, रेटिंग अपग्रेड की संख्या डाउनग्रेड की तुलना में दो के बदले एक के अनुपात में है। स्वस्थ बैलेंस शीट के बावजूद, वैश्विक अनिश्चितता के बीच निगम आक्रामक निवेश करने में हिचकिचा रहे हैं। बैंकों की बैलेंस शीट भी मजबूत है और गैर–निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की संख्या कम है, यह स्थिति अनिश्चित समय में झटके जज्ब करने में सहायक होती है। इस तरह, ऋणदाता और उधारकर्ता, दोनों की, बैलेंस शीट मजबूत है। चक्रीय आर्थिक सहायता के लिए, नीति निर्माता उपलब्ध नीतिगत गुंजाइश के आधार पर मौद्रिक और राजकोषीय उपाय इस्तेमाल करते हैं। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने कैलेंडर वर्ष 2025 में रेपो दर में एक प्रतिशत की कमी की है और दरों में इस कटौती का ऋण दरों पर प्रभाव बढ़ाने के लिए, नकद आरक्षित अनुपात में समान आकार की क्रमिक कटौती लाने की घोषणा की है। ये कटौती उपभोक्ता मुद्रास्फीति में तीव्र गिरावट के कारण संभव हुई है, जिसके इस वित्तीय वर्ष में 2.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। हालांकि एमपीसी ने अपनी अक्तूबर की नीति बैठक में दरों में कटौती नहीं की, लेकिन उसने बैंकों के बीच आपसी ऋण देने को आसान बनाने के लिए कदम उठाए हैं। इन उपायों से आने वाले महीनों में ऋण वृद्धि में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके विपरीत, घाटे और ऋण को कम करने की आवश्यकता के कारण सरकार की राजकोषीय क्षमता सीमित है।

हरफनमौला अभिनेता की कमी खलेगी बॉलीवुड को

मुकेश

भारतीय सिनेमा के लिए यह दुरूख का समय है, जब हिंदी सिनेमा के चर्चित हास्य अभिनेता गोवर्धन असरानी दिवाली के अवसर पर इस दुनिया से विदा हुए। वास्तव में यह भारतीय सिनेमा के उस हास्य कलाकार और हरफनमौला व्यक्तित्व की विदाई है, जिसकी मिसाल वे स्वयं थे। लगभग 460 से अधिक फिल्मों में काम करने वाले असरानी 1966 से लेकर अपने जीवन के अंतिम समय तक भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नामी हास्य अभिनेता रहे। उन्होंने मेहनत, संघर्ष और शिक्षा से अर्जित ज्ञान के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। वे कहते थे कि सिनेमा एक विज्ञान है और इस विज्ञान को समझने तथा सीखने के लिए उन्होंने पुणे के भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में दाखिला लिया। फिर ऋषिकेश मुखर्जी जैसे पारखी फिल्म निर्माता की फिल्म 'गुड्डी' से उनकी ऐसी शुरुआत हुई कि उन्होंने फिल्मों के इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड़ दी। असरानी को 'शोले' जैसी फिल्म में अंग्रेजों के जमाने के जेलर के किरदार में ऐसी प्रसिद्धि मिली कि आज भी बच्चों की जुबान पर उनका वह डायलॉग याद है। वास्तव में, असरानी एक बहुमुखी और बहुआयामी प्रतिभा के धनी हास्य कलाकार थे, जिन्होंने अपनी फिल्मों में अपने संघर्ष और वास्तविक हास्य को जीवित रखा और उसे जिया भी। उनका जन्म जयपुर में 1 जनवरी, 1941 को हुआ था। यहीं के प्रसिद्ध सेंट जेवियर्स स्कूल और कॉलेज में उनकी पढ़ाई हुई और उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो, जयपुर में कई साल तक काम भी किया। अभिनेता असरानी एक उत्कृष्ट उद्घोषक और गायक भी थे। उन्होंने कई फिल्मों में हिंदी और गुजराती में गीत भी गाए। उन्होंने कपड़ा व्यापार से लेकर फिल्म निर्माण और निर्देशन तक में हाथ आजमाया, एक ऐसे कलाकार की भूमिका निभाई, जो हमेशा प्रतिभाशाली लोगों के संघर्ष से जुड़ा रहा। असरानी अपने लंबे सिनेमाई सफर के दौरान जब भी जयपुर आते थे, उनसे मुलाकात होती थी। अपनी भावपूर्ण मुलाकातों में असरानी ने कहा था कि जीवन एक विज्ञान है, और इसे उसी तरह निभाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि अगर वे सिनेमा की बारीकियों को समझने के लिए पुणे के भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में नहीं जाते, तो शायद उन्हें सिनेमा में काम नहीं मिलता। यही उनके जीवन का एक टर्निंग प्वाइंट था, और फिर जो करियर उन्होंने बनाया, वह शानदार था। उन्होंने अपने समय की मशहूर अभिनेत्री मंजू बंसल से शादी की थी, जिन्होंने 'नमक हराम' जैसी फिल्मों में काम किया था। वर्ष 1977 में असरानी ने फिल्म 'आलाप' में दो गीत गाए, जो उन पर फिल्माए गए थे। अगले साल उन्होंने फिल्म 'फूल खिले हैं गुलशन गुलशन' में मशहूर प्लेबैक गायक किशोर कुमार के साथ एक गीत गाया। उनकी प्रसिद्ध फिल्मों के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले। उन्हें गुजराती फिल्म 'सात कैदी' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के लिए गुजरात सरकार का पुरस्कार मिला। 1973 में 'अनहोनी' के लिए शमा–सुषमा सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता पुरस्कार, 1974 में 'अभिमान' के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता पुरस्कार, और 'आज की ताजा खबर' के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुणे में असरानी को मशहूर अभिनय शिक्षक रोशन तनेजा ने पढ़ाया। उनके शब्दों में, 'फिल्म संस्थान जाने के बाद मुझे अहसास हुआ कि यह पेशा एक विज्ञान की तरह है। आपको प्रयोगशाला में जाना पड़ता है और प्रयोग करना पड़ता है।' उन्होंने कहा कि अभिनय में आंतरिक मेकअप भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने एक बार कहा किकृ'एक बार अभिनेता मोतीलाल पुणे के फिल्म संस्थान में मेहमान के रूप में आए थे।

.... विविध/स्वास्थ्य ....

विदेश में सुनहरे भविष्य के लिए बेहतर तैयारी

हमारे देश से हर साल हजारों विद्यार्थी व पेशेवर बेहतर शिक्षा, उच्च जीवन स्तर की चाह पूरी करने को विदेशों का रुख करते हैं। हालांकि कई विकसित देशों ने इसमें बाधाएं खड़ी कर दी हैं। इसके बावजूद विदेश में कैरियर बनाने के इच्छुक प्रतिभाशाली युवा यह सपना सच कर सकते हैं, बशर्ते उनका लक्ष्य स्पष्ट हो और पहले से ही व्यवस्थित तैयारी शुरू करें। आज के ग्लोबल युग में लाखों भारतीय युवाओं का सपना विदेश में कैरियर बनाना होता है। हालांकि हाल के सालों में अमेरिका सहित कई पश्चिमी देशों ने भारतीय युवाओं के लिए कई तरह की बाधाएं खड़ी कर दी हैं लेकिन जो प्रतिभाशाली हैं और जिनका लक्ष्य विदेश में कैरियर बनाने का है, वो आज भी इसे संभव बना सकते हैं, बशर्ते इसके लिए पहले से ही लक्ष्य स्पष्ट हो और इसकी पहले से व्यवस्थित शुरुआत कर दी जाए। बेहतर शिक्षा, उच्च जीवन स्तर की चाह रखने वाले हजारों भारतीय विद्यार्थी और प्रोफेशनल हर साल विदेशों की राह पकड़ते हैं। जानिये इसकी व्यवस्थित और चरणबद्ध तैयारी कैसे करें–

लक्ष्य स्पष्ट हो

अगर विदेश में कैरियर बनाना है, तो बहुत पहले लक्ष्य स्पष्ट और सुनिश्चित कर लेना चाहिए। आपको 102 की पढ़ाई के दौरान ही स्पष्ट हो कि विदेश में किस क्षेत्र में कैरियर बनाना है। सीधे नौकरी या शोध कार्य के माध्यम से जाना चाहते हैं, यह तय कर लीजिए। बहरहाल जो छात्र टेक्नोलॉजी या साइंस में रुचि रखते हों, उन्हें जर्मनी, कनाडा और अमेरिका को अपनी प्राथमिकताओं में रखना चाहिए। जो छात्र कला, डिजाइन या संस्कृति से जुड़े क्षेत्रों में कैरियर बनाने की सोच रहे हों, उनके लिए फ्रांस, इटली और जापान अच्छे विकल्प हैं। मेडिकल और हेल्थ सेक्टर में अगर कैरियर बनाना है, तो इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड का रुख करें। इसकी शुरुआत 11वीं कक्षा से कर देनी चाहिए। अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो दो साल पहले से ही इसकी योजना बना लें ताकि भाषा, डिग्री और डॉक्यूमेंटेशन की जरूरतें पूरी कर सकें।

मजबूत नींव तैयार करें

विदेशों में कैरियर के लिए केवल डिग्री ही जरूरी नहीं होती, कौशल भी बड़ी पूंजी होती है। इसलिए हर देश में काम करने या पढ़ने के लिए न्यूनतम योग्यता तय होती है। अगर अमेरिका में मास्टर्स या पीएचडी करना चाहते हैं, तो जीआरई या जीएमएटी की आवश्यकता पड़ती है। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में आईईएलटीएस और टीओईएफएल स्कोर के आधार पर प्रवेश मिलता है। जबकि जर्मनी में इंजीनियरिंग या साइंस के छात्रों के लिए बी.1, बी.2 स्तर की जर्मन भाषा परीक्षा पास करनी जरूरी है। वहीं आजकल कंपनियां स्किल पर भरोसा करती हैं। इसलिए कोडिंग, डेटा एनालिटिक्स, डिजाइनिंग, डिजिटल मार्केटिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व भाषा ज्ञान जैसी क्षमताएं जरूरी हैं। लिंक्डइन लर्निंग, कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स करके आप अपनी प्रोफाइल इंटरनेशनल कसौटियों के अनुकूल बना सकते हैं।

भाषा पर पकड़

अगर अंग्रेजी भाषी देशों मसलन अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और इंग्लैंड में कैरियर बनाने की तमन्ना है, तो अंग्रेजी पर अच्छा अधिकार जरूरी है। अगर जर्मनी, फ्रांस और जापान जैसे देशों में कैरियर बनाना चाहते हैं, तो यहां की स्थानीय भाषाओं में दक्षता हासिल करना जरूरी होता है। इसलिए हर दिन करीब डेढ़ से दो साल तक प्रतिदिन 45 मिनट से एक घंटे तक भाषा पर अच्छी पकड़ की तैयारी करें। सोशल मीडिया में विदेशी समाचार, ब्रॉडकास्ट और इंटरव्यू सुनना फायदेमंद होता है। तैयारी 10वीं और 11वीं करने के दौरान शुरू कर दें।

वीजा नियम की जानकारी

हर देश का अपना एक वीजा नियम होता है। जैसे कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में छात्र आसानी से यहां स्थायी निवास की सुविधा भी हासिल कर सकते हैं। जबकि अमेरिका और जापान जैसे देश स्थायी निवास की सुविधा को लेकर सख्त रवैया अपनाते हैं। अतः पहले ही तय कर लें कि आपका वास्तविक लक्ष्य विदेश में स्थायी रूप से बसना है या सिर्फ नौकरी तक ही सीमित है और फिर उसी आधार पर आगे की योजना पर काम करें।

शोध-अनुसंधान में भी हैं आकर्षक कैरियर के नये विकल्प

पीसीएम यानी भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित विषयों के साथ साइंस की पढ़ाई विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर बनाने की राहें खोलती है। हालांकि ज्यादातर मेडिकल स्टूडेंट का सपना होता है कि बारहवीं के बाद एमबीबीएस में एडमिशन हो जाए। वहीं इंजीनियरिंग वाले विद्यार्थी आईआईटी या किसी प्रतिष्ठित कॉलेज से बी.टेक. करना चाहते हैं। लेकिन इन कोर्सेज में कम सीटों की वजह से ये उम्मीद सभी की पूरी नहीं हो पाती है। ऐसे में निराश होने की जरूरत नहीं। साइंस में कई अत्याधुनिक क्षेत्र हैं जहां आप बारहवीं के बाद अपनी ही स्ट्रीम में बेहतर कैरियर बना सकते हैं। परंपरागत रूप से साइंस स्ट्रीम के विद्यार्थी इंजीनियरिंग, मेडिकल, और कंप्यूटर साइंस जैसे क्षेत्रों में अपना भविष्य खोजते रहे हैं। बारहवीं पास करने के बाद अकसर साइंस के स्टूडेंट्स को लगता है कि इस फील्ड में कैरियर बनाने के लिए सीमित अवसर हैं जबकि आजकल साइंस में कई अत्याधुनिक क्षेत्र हैं जहां आप अपना कैरियर बना सकते हैं। आपने इन क्षेत्रों में महारत हासिल कर ली तो संबंधित बड़ी कंपनियों में जॉब मिलने की बहुत संभावनाएं हैं। जानिये इन आधुनिक विकल्पों के बारे में–

रोबोटिक्स

अगर आपकी रुचि मूल रूप से मशीनों में है तो आप इस फील्ड में जा सकते हैं। मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल इंजी. और कंप्यूटर साइंस की मिश्रित शाखा रोबोटिक्स अंतरिक्ष से लेकर चिकित्सा के क्षेत्र तक में प्रयोग किए जाने वाले रोबोट बनाती है। रोबोटिक्स में शिक्षा के लिए इन संस्थानों की मदद लेनी होगी– आईआईटी–बॉम्बे, दिल्ली, कानपुर, खड़गपुर, आईआईएससी, बिट्स।

एस्ट्रोनॉमीः एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

एयरोस्पेस के क्षेत्र में शिक्षा के अवसरों में खासा प्रसार हुआ है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो इस फील्ड का प्रमुख संस्थान है। आकाशीय पिंडों की उत्पत्ति और गति का विस्तृत अध्ययन करने वाली विशेष शाखा एस्ट्रोनॉमी व विमानों से जुड़ी इंजीनियरिंग का क्षेत्र एयरोस्पेस युवाओं को लुभाने में कामयाब है। इस क्षेत्र के प्रमुख संस्थान हैं– इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस टेक्नोलॉजी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, आईआईएससी बेंगलोर, आईआईटी बॉम्बे।

नैनो टेक्नोलॉजी

आने वाले समय में इस क्षेत्र में कुशल प्रोफेशनल्स और शोधकर्ताओं की मांग बढ़नी तय है। किसी पदार्थ की आणविक संरचना में परिवर्तन करके उसे बेहतर प्रयोग के लिए तैयार करती है नैनोसाइंस। नैनो पार्टिकल्स और नैनोडिवाइसेज का इस्तेमाल आज चिकित्सा समेत विभिन्न क्षेत्रों में किया जाने लगा है। इसके लिए प्रमुख संस्थान हैं– आईआईटी–मद्रास, आईआईटी–दिल्ली, आईआईएससी बंगलौर, बीएचयू, कलकत्ता विवि।

अर्थक्वेक इंजीनियरिंग

दुनिया भर में आजकल भूकंप की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में इस फील्ड में एक्सपर्ट लोगों की मांग बढ़ना स्वाभाविक है। अर्थक्वेक इंजीनियरिंग एक इंटरडिसीप्लीनरी फील्ड है, जिसके तहत भूकंप को ध्यान में रखते हुए इमारतों, पुलों आदि का निर्माण एवं अध्ययन किया जाता है। इसका उद्देश्य इन संरचनाओं को भूकंप से निपटने में सक्षम बनाना है। इसमें पारंगत होने के लिए मददगार प्रमुख संस्थान हैं– आईआईटी–रुड़की, जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली, एनआईटी सिलचर।

साइंस राइटिंग

आजकल हेल्थ, लाइफस्टाइल और एनवायरनमेंट में नित नई रिसर्च और आविष्कार हो रहे हैं। इनका अध्ययन और जानकारी रखना और इन्हें आसान शैली में आम लोगों तक पहुंचाना भी बेहद जरूरी है। आप साइंस राइटिंग में एक्सपर्ट बनकर ऐसा कर सकते हैं। इस फील्ड में पारंगत होने के लिए आप इंडियन कम्यूनिकेशन सोसायटी, नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम्स आदि संस्थानों की मदद ले सकते हैं।

न्यूक्लियर साइंस

न्यूक्लियर साइंस एक वृहद् क्षेत्र है, जिसके अनुप्रयोग परमाणु ऊर्जा के अलावा न्यूक्लियर मेडिसिन, माइनिंग और एनवायरनमेंटल रिसर्च में भी कारगर होते हैं। इसमें जाना चाहते हैं तो इन्हें ज्वाइन करें– साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फीजिक्स, सेंटर फॉर न्यूक्लियर मेडिसिन पंजाब विश्वविद्यालय, एम्स दिल्ली आदि।

बायोइंफॉर्मेटिक्स

बायोइंफॉर्मेटिक्स में जैविक जानकारी का प्रबंधन करने के लिए कंप्यूटर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है। विश्लेषित डाटा का प्रयोग जीन आधारित दवा की खोज एवं विकास में किया जाता है। इसके लिए उपयोगी संस्थान हैं– बनस्थली यूनिवर्सिटी, ज्योति विद्यापीठ वूमन यूनिवर्सिटी राजस्थान, एमएनआईटी म.प्र., कलकत्ता विश्वविद्यालय आदि।

फॉरेंसिक साइंस

किसी आपराधिक जांच के दौरान वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने और इनके विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकालने में मदद करने वाली शाखा का नाम है फॉरेंसिक साइंस। यह आपराधिक मामलों में विज्ञान के अनुप्रयोग की शाखा है। प्रमुख संस्थान हैं– एसजीटीबी खालसा कॉलेज डीयू, पंजाब विवि, सौराष्ट्र विवि गुजरात आदि।

एनवायरनमेंटल साइंस

इस स्ट्रीम में एनवायरनमेंट पर इंसानी गतिविधियों से होने वाले असर का अध्ययन किया जाता है। इसके तहत वन्यजीव प्रबंधन, इकोलॉजी, प्रदूषण नियंत्रण और डिसास्टर मैनेजमेंट जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इन विषयों में एनजीओ और यूएनओ के प्रोजेक्ट्स तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में जॉब की अच्छी संभावनाएं हैं।

वॉटर साइंस

यह वॉटर सरफेस से जुड़ी साइंस स्ट्रीम है। इसमें वॉटर क्वॉलिटी मैनेजमेंट हाइड्रोजियोलॉजी, ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट, हाइड्रोइंफॉर्मेटिक्स, हाइड्रोमिटियोरोलॉजी, जैसे विषयों की पढ़ाई करनी होती है। हिमस्खलन और बाढ़ जैसी आपदाओं को देखते हुए इस फील्ड में रिसर्चर्स की मांग बढ़ रही है।

माइक्रो बायोलॉजी

इस फील्ड के लिए बीएससी लाइफ साइंस या बीएससी माइक्रो–बायोलॉजी कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद मास्टर डिग्री और पीएचडी भी का विकल्प है। इसके अलावा फिशरीज साइंस ,पैरामेडिकल, मरीन बायोलॉजी, बिहेवियरल साइंस, जैसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें साइंस में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स कैरियर बना सकते हैं।

डेयरी साइंस

भारत में दूध की खपत को देखते हुए इस क्षेत्र में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की डिमांड बढने लगी है। डेयरी साइंस के तहत मिल्क प्रोडक्शन, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, स्टोरेज और डिस्ट्रिब्यूशन की जानकारी दी जाती है। साइंस सब्जेक्ट से 12वीं के बाद स्टूडेंट ऑल इंडिया स्तर का एंट्रेंस एग्जाम पास करने के बाद डेयरी टेक्नोलॉजी के चार वर्षीय स्नातक कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। कुछ इंस्टीट्यूट दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स भी करवाती हैं। फूड टेक्नोलॉजी एंड साइंस

इस फील्ड में स्टूडेंट्स को एग्रो व डेयरी प्रोडक्ट्स के प्रिजर्वेशन एवं प्रोसेसिंग में ट्रेंड किया जाता हैं।

एसएसबी जवान का राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

गोरखपुर, (संवाददाता)। घघसरा के वार्ड चार पं. दीनदयाल नगर बिसरी निवासी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवान केशरी नंदन मिश्र का पार्थिव शरीर मंगलवार सुबह गांव पहुंचा। शव के गांव पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया। परिजनों के करुण क्रंदन से हर कोई भावुक हो उठा। आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। केशरी नंदन मिश्र (35) अरुणाचल प्रदेश–भूटान सीमा पर तवांग में तैनात थे। 18 अक्तूबर 2025 को ड्यूटी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई थी। सूचना मिलते ही एसएसबी अधिकारियों ने पोस्टमार्टम सहित आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर शव

को गृह जनपद रवाना कर दिया। मंगलवार सुबह एसएसबी के जवानों के साथ उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा। शव घर पहुंचते ही पत्नी मंजू देवी, बेटियां अंशिका और आस्था, पिता जगन्नाथ प्रसाद मिश्र और भाई–बहनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। पार्थिव शरीर को पूरे राजकीय सम्मान के साथ कालेसर मोक्षधाम ले जाया गया। एसएसबी इंस्पेक्टर एएस परिहार और एसआई संजय कुमार के नेतृत्व में जवानों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम संस्कार में क्षेत्रीय विधायक प्रदीप शुक्ल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रभाकर दुबे, पूर्व विधायक जीएम सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे। मुखाग्नि छोटे भाई केशव चंद्र मिश्र ने दी।

नगर निगम खरीदेगा आधुनिक शव वाहन, एक कॉल पर पहुचेगा घर

गोरखपुर, (संवाददाता)। नगर निगम अब शहरवासियों को एक और महत्वपूर्ण सुविधा देने जा रहा है। निगम करीब 12 लाख रुपये की लागत से एक आधुनिक शव वाहन खरीदने की तैयारी में है। इस वाहन में डीप फ्रीजर की व्यवस्था होगी, जिससे शव को सुरक्षित रखा जा सकेगा। इसके अलावा, वाहन के अंदर तीन से चार परिजनों के बैठने की भी सुविधा रहेगी, ताकि परिवारजन अंतिम यात्रा के दौरान साथ रह सकें। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह सेवा पूरी तरह निशुल्क होगी। शहर में किसी भी नागरिक की मृत्यु होने पर परिजन केवल एक कॉल करके इस शव वाहन को बुला सकेंगे। वाहन मृतक के घर पहुंचेगा और वहां से शव को मशान घाट या कब्रिस्तान तक सम्मानपूर्वक पहुंचाएगा। अब तक गोरखपुर में ऐसी सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

आमतौर पर शवों को निजी वाहनों या एम्बुलेंस के सहारे ले जाना पड़ता था, जिससे परिवारों को असुविधा और अतिरिक्त खर्च का सामना करना पड़ता था। नगर निगम की यह पहल न केवल गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत साबित होगी, बल्कि शहर में मानवता और संवेदना की मिसाल भी बनेगी। सहायक नगर आयुक्त अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि वाहन की खरीद प्रक्रिया अंतिम चरण में है। जल्द ही इसे नगर निगम के बेड़े में शामिल कर दिया जाएगा और सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनेगा बड़े शिव धाम का प्रवेश द्वार

भदोही, (संवाददाता)। नगर के ऐतिहासिक और पौराणिक धार्मिक स्थल बाबा बड़े शिव धाम के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। मंदिर पर लगभग तीन करोड़ की लागत से बनने वाले त्रिशूल के बाद प्रवेश द्वार का कार्य भी लोगों के जनसहयोग से कराया जाएगा। डीघ ब्लॉक के त्रिस्तरीय पंचायत समिति प्रमुख मनोज मिश्रा निजी खर्च से जीटी रोड के पास प्रवेश द्वार बनवाएंगे। उन्होंने बताया कि इसकी अनुमानित लागत से पांच से छह लाख रुपये होगी। गोपीगंज नगर स्थित प्राचीन बाबा बड़े शिव धाम की पौराणिक मान्यता है। जीटी रोड के किनारे स्थित इस मंदिर पर तीन करोड़ रुपये की लागत से 300 फीट का त्रिशूल जनसहयोग से लगाया जाएगा। इसके बाद मंदिर के तीन प्रमुख प्रवेश मार्गों पर तीन प्रवेश द्वार बनाने का प्रस्ताव है। इसमें जीटी रोड के पास प्रस्तावित प्रवेश द्वार का कार्य इसी सप्ताह शुरू होगा। डीघ ब्लॉक त्रिस्तरीय पंचायत समिति प्रमुख मनोज मिश्रा द्वारा जीटी रोड के पास 16 फीट ऊंचा और 14 फीट चौड़ा होगा। मिश्रा ने कहा कि इसी सप्ताह प्रवेश द्वार का शिलान्यास कराया जाएगा। शिव परिवार के दीपक मोदनवाल, आचार्य शरद पांडेय, आचार्य राजन पांडेय, आचार्य हरिओम पांडेय, आचार्य संदीप पांडेय आदि ने इस कार्य की सराहना की।

150 हेक्टेयर में होगी आलू की खेती, 100 क्विंटल आया बीज

भदोही, (संवाददाता)। जिले में इस साल 150 हेक्टेयर में आलू की खेती होगी। उद्यान विभाग में 100 क्विंटल आलू का बीज आ गया है। इसके बाद किसानों का इसका वितरण भी शुरू हो चुका है। उद्यान विभाग से सिंगरौली 2920 रुपये और कोपरी बहार 2720 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर लाभ मिलेगा। जिले में लघु सीमांत किसानों की संख्या ज्यादा है। बीते साल 15 नवंबर के बाद 50 क्विंटल आलू का बीज आया था। इस बार 100 क्विंटल आलू बीज एक महीने पहले ही विभाग में आ गया है। जिले में 50 हेक्टेयर में आलू की खेती होती है। आलू के बोआई का सीजन शुरू है। सोनभद्र का रोस्टर लखनऊ में लगा था। साथ ही भदोही का रोस्टर भी लग गया। इसके कारण आलू बीज इस बार जल्द आया है। 2920 और 2720 रुपये क्विंटल बीज किसानों को दिया जा रहा है। किसान आधार कार्ड की एक प्रति और नकद धनराशि कार्यालय में जमा कर बीज प्राप्त कर सकते हैं। उद्यान निरीक्षक धर्मेंद्र मौर्य ने बताया कि शोधित बीज लगाने से इसमें रोग लगने की क्षमता नष्ट हो जाती है। फसल में पाला लगने की आशंका नहीं होती है। क्योंकि लखनऊ से ये शोधित बीज मिलते हैं। बताया कि अन्य फसलों के मुकाबले इस फसल की पैदावार बेहतर होती है। बाजार में कई किस्म के बीज हैं लेकिन किसान विशेषज्ञ की सलाह पर ही बोआई के लिए बीज का चयन करें। भिदिउरा निवासी किसान सुभाष दूबे ने बताया कि पांच बिस्वा में आलू की खेती करता हूं लेकिन फसल का शोधन करके ही बोआई करनी चाहिए। इससे पैदावार बेहतर होती है। प्रति बिस्वा 70 से 75 किलो पैदावार बढ़ जाती है। ज्यादातर किसान दुकान से खरीदकर सीधे आलू की बोआई करते हैं।

आग से झुलसे 38 लोग उपचार के लिए पहुंचे, 8 गंभीर

गोरखपुर, (संवाददाता)। दीपावली के दिन आतिशबाजी के अति उत्साह में कई परिवारों की खुशियां मातम में बदल गई। दीपावली की एक रात में ही सिर्फ जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में आग से झुलसे 38 लोग पहुंचे। घायलों में छोटे बच्चे भी शामिल थे। जिला अस्पताल से गंभीर रूप से झुलसे 8 मरीजों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। फिलहाल सभी घायलों का उपचार रहा है। अमटौरा की प्रिया सिंह परिवार के साथ दीपोत्सव की तैयारियों कर रही थीं। इसी बीच दीप की लौ से उनकी साड़ी में आग लग गई। दीपोत्सव का माहौल गम में बदल गया। परिजनों ने किसी तरह आग को बुझाया और उन्हें लेकर आनन–फानन में जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भर्ती कर लिया गया है। इसी तरह भगत चौराहे के पास हिमांशू शर्मा घर में बिजली की लड़ी लगा रहे थे। लाइट लगाते हुए छत के ऊपर से जा रहे हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से तेज धमाके के साथ शॉर्ट सर्किट होने से हिमांशु बुरी तरह से जल गए। परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे तो प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भर्ती कर लिया गया। सीएमएस बीके सुमन ने बताया कि 20 की रात से लेकर 22 अक्तूबर की सुबह तक कुल 28 मरीज जिला अस्पताल में आग से झुलसने की वजह से आए थे। इनमें 20 लोग पटाखे और उसकी चिंगारी से जले थे। इन्हें प्राथमिक उपचार कर वापस घर भेज दिया गया। गंभीर रूप से झुलसे आठ लोगों को मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया गया।

आग से झुलसे 38 लोग उपचार के लिए पहुचे, 8 गंभीर

गोरखपुर, (संवाददाता)। दीपावली के दिन आतिशबाजी के अति उत्साह में कई परिवारों की खुशियां मातम में बदल गई। दीपावली की एक रात में ही सिर्फ जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में आग से झुलसे 38 लोग पहुंचे। घायलों में छोटे बच्चे भी शामिल थे। जिला अस्पताल से गंभीर रूप से झुलसे 8 मरीजों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। फिलहाल सभी घायलों का उपचार रहा है। अमटौरा की प्रिया सिंह परिवार के साथ दीपोत्सव की तैयारियों कर रही थीं। इसी बीच दीप की लौ से उनकी साड़ी में आग लग गई। दीपोत्सव का माहौल गम में बदल गया। परिजनों ने किसी तरह आग को बुझाया और उन्हें लेकर आनन–फानन में जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भर्ती कर लिया गया है। इसी तरह भगत चौराहे के पास हिमांशू शर्मा घर में बिजली की लड़ी लगा रहे थे। लाइट लगाते हुए छत के ऊपर से जा रहे हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से तेज धमाके के साथ शॉर्ट सर्किट होने से हिमांशु बुरी तरह से जल गए। परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे तो प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भर्ती कर लिया गया। सीएमएस बीके सुमन ने बताया कि 20 की रात से लेकर 22 अक्तूबर की सुबह तक कुल 28 मरीज जिला अस्पताल में आग से झुलसने की वजह से आए थे। इनमें 20 लोग पटाखे और उसकी चिंगारी से जले थे। इन्हें प्राथमिक उपचार कर वापस घर भेज दिया गया। गंभीर रूप से झुलसे आठ लोगों को मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया गया। बुधवार की सुबह एक छोटी बच्ची आग से झुलसकर आई थी, उपचार कर उसे वापस भेज दिया गया। 2 लोग अभी भी जिला अस्पताल में भर्ती हैं। दिवाली के दिन देर तक अलग–अलग इलाकों के कुल 8 लोग पटाखों से झुलसने की वजह से उपचार के लिए मरीज पहुंचे थे।

चारों भाइयों का मिलन देख सजल हुए नयन

भदोही, (संवाददाता)। श्री बजरंग रामलीला समिति सारीपुर की ओर से सोमवार को भरत मिलाप का आयोजन किया गया। भगवान राम, सीता और लक्ष्मण जी के साथ अयोध्या पहुंचते हैं। श्रीराम व माता सीता के वेश में सजे पात्रों को पूरे गांव का भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा का रास्ते भर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मेला स्थल पर पहंचते ही भगवान राम व लक्ष्मण को देखकर भरत शत्रुघ्न दौड़ पड़ते हैं। चारों भाई आपस में गले मिलते हैं तो पूरा माहौल गमगीन हो जाता है। इसके बाद विधिवत मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम का राज्याभिषेक होता है। इस बीच मेले में बच्चों ने खूब खिलौने ओर तरह–तरह के व्यंजनों के लुत्फ उठाए। महिलाओं ने भी गृहस्थी के सामान खरीदे। मौके पर अध्यक्ष श्यामधर पाठक, सुनील पाठक, अजय दुबे, सुशील दुबे, भाईजी दुबे, अजीत यादव, शमशेर बहादुर यादव लालचंद यादव, सुनील जायसवाल आदि रहे।

अनियंत्रित कार ने बाइक सवार भाई-बहन को रौंदा

गोरखपुर, (संवाददाता)। खजनी थाना क्षेत्र के लिंक एक्सप्रेसवे पर मंगलवार की देर शाम एक अनियंत्रित कार ने बाइक सवार भाई–बहन को रौंद दिया। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर अफरा–तफरी मच गई। हादसे में बाइक सवार भाई–बहन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार सवार पति–पत्नी और उनका मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ ही घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार, हादसा मंगलवार शाम करीब 7 बजे भगवानपुर टोल प्लाजा के पास हुआ। बताया जा रहा है कि कार सवार राकेश तिवारी अपनी पत्नी सविता तिवारी और बच्चे के साथ कुशीनगर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सामने से जा रहे बाइक सवारों को रौंदते हुए डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए ।

संक्षिप्त खबरें

युवा उत्सव, विज्ञान मेला 25 को

भदोही, (संवाददाता)। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से आगामी 25 अक्तूबर को 11 बजे नगर के वुडवर्ड पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय युवा उत्सव–विज्ञान मेले का आयोजन किया गया है। आयोजन में युवा उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम, साइंस मेला का समावेश होगा। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कार्यक्रम को लेकर समिति गठित कर प्रचार–प्रसार कराने का निर्देश दिया है। जिला युवा कल्याण अधिकारी दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कलाकार, छात्रध्छात्रा, युवा वैज्ञानिक जो विजेता होंगे, उन्हें मंडल स्तर, राज्य स्तर और अंत में राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर प्राप्त होगा। सभी विद्यालय इसमें प्रतिभाग कर सकें, इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी निर्देशित किया गया है। बताया कि युवा उत्सव में सांस्कृतिक ट्रैक की विधाएं, कहानी लेखन, पेंटिंग, लोकनृत्य, लोकगीत, कविता और इनोवेशन ट्रैक के तहत साइंस मेले का आयोजन होना है। इसमें प्रतिभाग करने के इच्छुक कलाकार व छात्र–छात्राएं पासपोर्ट साइज के दो फोटो, अपने आधार कार्ड की छायाप्रति, अपने ब्लॉक के क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी या जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन या जिला सूचना कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं ताकि उनका माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण हो सके।

तेंदुए ने पशुशाला में घुसकर पड्डे को मार डाला

पीलीभीत, (संवाददाता)। थाना सेहरामऊ उत्तरी के गांव नजीरगंज में अवधेश की पशुशाला में घुसकर तेंदुआ ने पड्डे को मार डाला। आहट पर हुए शोर–शराबा पर तेंदुआ समीप के खेतों की ओर भाग गया। घटना मंगलवार रात की है। अवधेश के घर की पशुशाला में तेंदुआ घुस गया। तेंदुआ ने पड़्डे का मार दिया और उसका कुछ हिस्सा खा गया। आहट पर शोर–शराबा होने लगा तो तेंदुआ खेतों की ओर भाग गया। खुटार रेंजर मनोज कुमार ने बताया कि सूचना पर टीम को भेजा गया था। तेंदुआ के निशान नहीं मिले। प्रथम दृष्टया जांच में तेंदुआ के हमला से पड्डे की मौत होना पाया गया। तेंदुआ की निगरानी के लिए टीम को लगाया गया है।

मिठाइयों की दुकानों पर जमकर हुई खरीद

पीलीभीत, (संवाददाता)। भाई दूज की तैयारियों को लेकर बुधवार को शहर की मिठाई की दुकानों में दिनभर रौनक बनी रही। वहीं बहनों को तोहफा देने के लिए गिफ्ट गैलरी में भी भीड़ देखी गई। बुधवार को शहर के मुख्य बाजार, स्टेशन रोड, पुराना बाजार, माधोटांडा रोड की मिठाइयों की दुकान पर सुबह से ही खरीदारी के लिए भीड़ जुट गई। लोगो ने लड्डू, बर्फी, पेड़ा, रसगुल्ला और काजू कतली जैसी पारंपरिक मिठाइयों की जमकर खरीदारी की। मिठाइयों की बिक्री से दुकानदारों ने भी मिक्स मिठाई सहित अन्य पर दाम बढ़ा लिए। 350–400 रुपये किलो मिलने वाली मिठाई 460 तक बेची गई। वहीं पूजन के लिए नारियल (सूखा नारियल), रोली, केसर, बिना टूटे चावल, नारियल, बताशा आदि की भी किराना बाजार में जमकर खरीद हुई।

भैंसा गाड़ी से जा रहे युवक की ट्रक से कुचलकर मौत

पीलीभीत, (संवाददाता)। पीलीभीत में बरेलीदृहरिद्वार हाईवे लगातार दूसरे दिन हादसे से लाल हो गया। बृहस्पतिवार सुबह करीब पांच बजे भैंसा बुग्गी से जा रहे गांव बरात बोझ निवासी अमित कुमार (26) की तेज रफ्तार ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। हादसा बरेली–बरेली हरिद्वार हाईवे पर गांव निसारा के पास हुआ। जहानाबाद थाना क्षेत्र के गांव बरात बोझ निवासी अमित कुमार भैंसा बुग्गी लेकर गांव सरदार नगर की ओर जा रहा था। इसी समय गुजरे तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया और कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी बुग्गी के परखच्चे उड़ गए। हादसे का पता चला तो ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही परिजन और थाना पुलिस भी पहुंची। पुलिस ने जांच के बाद मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया।

चचेरे भाई ने युवक को मारी गोली, लखनऊ

सीतापुर, (संवाददाता)। इलाके के कैमहरा गांव में बुधवार सुबह रास्ते के विवाद में चचेरे भाई ने युवक को गोली मार दी। घायल युवक को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से जिला अस्पताल भेजा गया। हालत गंभीर देखकर जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। इलाके के कौरैय्या उदयपुर के मजरा कैमहरा निवासी श्रवण अवस्थी के रामशंकर अवस्थी सगे भाई थे। रामशंकर की मौत हो चुकी है। सुबह रामशंकर के पुत्र अमित खेत जाने के लिए खड़ंजे से होकर गुजर रहे थे। श्रवण खड़ंजे पर झाड़ू लगाकर सफाई कर रहे थे। इसी दौरान दोनों में कहासुनी हो गई। श्रवण झाड़ू से अमित की पिटाई करने लगे। इसी बीच अमित के अन्य दो भाई सौरभ व सत्यम अवस्थी भी आ गए और उन्होंने श्रवण को पीटना शुरू कर दिया। आवाज सुनकर श्रवण की पत्नी मीनू, बेटी पल्लवी व बेटा आयुष भी आ गया और दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। इस बीच आयुष घर से तमंचा ले आया और उसने फायर कर दिया। गोली सौरभ (24) की पीठ पर लगी। इससे वह घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने सौरभ को सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनको जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह, सीओ महोली नागेंद्र भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों के बयान दर्ज किए। थानाध्यक्ष श्यामू कनौजिया ने बताया कि मारपीट में दोनों पक्ष के लोग घायल हुए हैं। तहरीर के आधार पर श्रवण, पत्नी, बेटी व बेटे पर केस दर्ज कर लिया गया है। सौरभ को गंभीर हालत में जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर किया गया है। रामशंकर व श्रवण के पिता की मौत के बाद दोनों भाइयों के परिवार में जमीन के एक टुकड़े को लेकर विवाद चल रहा है। रिश्तेदारों की मध्यस्थता के बाद विवाद निपट भी गया था, लेकिन रामशंकर की मौत के बाद श्रवण ने फिर से उस जमीन के टुकड़े पर कब्जा जमा लिया। भतीजों से भी इसी बात को लेकर कहासुनी हो चुकी है। बताते हैं कि बड़े भतीजे अमित का चयन पुलिस में हो गया था। इस पर श्रवण ने एक शिकायत करके उस पर केस दर्ज करा दिया था। इसके बाद उसका चयन भी रद्द हो गया था।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत

पीलीभीत, (संवाददाता)। माधोटांडा–पीलीभीत मार्ग पर कलीनगर मोड़ के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार जमुनिया खास गांव निवासी विशाल (16) की मौत हो गई। जबकि, उसी गांव के चार अन्य लोग घायल हो गए। सभी पांचों लोग एक ही बाइक पर सवार होकर कलीनगर से गांव के लिए लौट रहे थे। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसा माध ोटांडा–पीलीभीत मार्ग पर कलीनगर मोड़ के पास हुआ। माधोटांडा के गांव जमुनिया निवासी विशाल पुत्र रामचंद्र गांव के ही विपिन, करन, उमेश और अभिषेक के साथ बुधवार दोपहर करीब एक बजे एक ही बाइक से कलीनगर कस्बे आए थे। कुछ देर रुकने के बाद सभी एक ही बाइक से गांव के लिए लौट रहे थे। इनमें कोई भी हेलमेट नहीं लगाया हुआ था। ग्रामीणों के अनुसार कलीनगर मोड़ पर अचानक बाइक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई। हादसे में बाइक सवार सभी लोग घायल हो गए। जबकि विशाल और विपिन की हालत अधिक नाजुक हो गई। हादसे के बाद राहगीरों की मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची माधोटांडा पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को पहले सीएचसी माधोटांडा लेकर आई। जहां चिकित्सकों ने विशाल को मृतक घोषित कर दिया, वहीं विपिन को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। हादसे की जानकारी के बाद जमुनिया गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीण माधोटांडा सीएचसी पहुंच गए। अस्पताल में भीड़ जमा हो गई। वहीं विशाल की मौत की खबर मिलने पर उसके परिजन भी अस्पताल पहुंचे। शव को देख सभी बदहवास हो गए। विशाल तीन भाई और बहन में सबसे छोटा था। भैयादूज से पूर्व विशाल की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

बहनें आज लगाएंगी भाइयों को सौभाग्य का टीका

सीतापुर, (संवाददाता)। भैया दूज पर्व बृहस्पतिवार को मनाया जाएगा।

बहनें अपने भाइयों को सौभाग्य का टीका लगाएंगी। भाई अपनी बहनों को उपहार के संग सुरक्षा का वचन देंगे। इस बार बहनों को भाई का तिलक करने के लिए कुछ इंतजार करना पड़ेगा। टीका लगाने का शुभ मुहूर्त दोपहर एक बजे के बाद है। तिलक करने के लिए सवा दो घंटे तक शुभ मुहूर्त रहेगा। शहर के बाजार में भैया दूज की पूर्व संध्या पर गहमागहमी नजर आई। मिठाई व चूरा–भुर्की आदि की लोग खरीदारी करते रहे। देर रात तक बाजार में रौनक बनी रही। भाई–बहन के प्रेम तथा स्नेह का प्रतीक भैया दूज पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। अबकी भैया दूज बृहस्पतिवार को मनाया जाएगा। इस दिन बहनें अपने भाई को तिलक लगाकर उनके उज्ज्वल भविष्य व लंबी उम्र की कामना करती हैं। भाई अपनी बहनों को उपहार देते हैं। इसे लेकर बुधवार को घरों में तैयारियां होती रहीं। शहर के बाजार में गहमागहमी बनी रही। नैमिषारण्य के प्राचार्य प्रभाकर द्विवेदी ने बताया कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 22 अक्तूबर की रात 8रू16 बजे से प्रारंभ होगी।

पुरैना गांव की महिलाएं शहद से लिख रहीं आत्मनिर्भरता की मीठी कहानी

पीलीभीत, (संवाददाता)। माध ोटांडा क्षेत्र के पुरैना गांव की महिलाओं ने मेहनत, हौसले और सहयोग की ताकत से एक नई मिसाल पेश की है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की संयुक्त पहल से शुरू हुआ शहद उत्पादन अब महिलाओं की आजीविका का मजबूत जरिया बन चुका है। गांव की महिलाएं न सिर्फ शहद खरीदकर उसकी पैकिंग कर रही हैं, बल्कि "तराई हनी" ब्रांड के नाम से उसे जनपद से लेकर बाहर तक बेच रही हैं। माधोटांडा क्षेत्र के पीटीआर की बराही रेंज से सटे पुरैना गांव में महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख दी है। वर्ष 2023 में शुरू हुई यह पहल अब ग्रामीण विकास और महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बन चुकी है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के सहयोग से गांव के करीब 30 पुरुषों को शहद उत्पादन का प्रशिक्षण दिया गया। इन पुरुषों द्वारा तैयार शहद को अब गांव की महिलाओं का समूह खरीदता है। महिलाएं शहद की गुणवत्ता जांचने, पैकिंग और विपणन की जिम्मेदारी खुद संभाल रही हैं। उन्होंने अपने उत्पाद को "तराई हनी" नाम से बाजार में पहचान दी है। यह शहद न केवल जनपद पीलीभीत में बल्कि अन्य जिलों में भी बड़ी मात्रा में बिक रहा है। गांव की महिलाएं बताती हैं कि पहले घरों तक सीमित रहने के कारण वे आर्थिक रूप से निर्भर थीं, लेकिन अब शहद उत्पादन और बिक्री से उनकी पहचान और आमदनी दोनों बढ़ी हैं। पीटीआर और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के सहयोग से चल रहे इस प्रोजेक्ट में गांव के करीब 30 पुरुष शहद उत्पादन कर रहे हैं, जबकि महिलाएं उसकी खरीद, पैकिंग और बिक्री का कार्य संभाल रही हैं। समिति से जुड़े हर्षित मंडल के अनुसार अभी 50 ग्राम से लेकर 500 ग्राम तक की पैकिंग की जा रही है। 50 ग्राम 30 रुपये, जबकि 500 ग्राम वजन में तीन सौ रुपये तक बिक्री की जा रही है। 100 और 200 ग्राम की पैकिंग भी की जा रही है। शहद की क्वालिटी और स्वाद के कारण इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। हम अब किसी पर निर्भर नहीं हैं। अपने हाथों से तैयार शहद बेचकर न सिर्फ घर चला रहे हैं, बल्कि परिवार की मदद भी कर पा रहे हैं। शहद के उत्पादन ने स्थाई रोजगार से जोड़ा है। समूह की मदद से शहद को पैक कर बिक्री करने पर जोर दिया जा रहा है। इससे आमदनी भी हो रही है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार के अनुसार जिले में शहद उत्पादन को लेकर बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में तीन गांव में इस पहल को किया जा रहा है। इसमें पुरैना से शुरुआत के बाद अब टांडा छत्रपति और रम्पुरिया मोहन में भी शहर का उत्पादन हो रहा है, लेकिन कलेक्शन के बाद शहद को पैकिंग के लिए पुरैना गांव ही लाया जाता हैं। जहां समूह की महिलाएं पैकिंग कर इसको बिक्री के लिए आगे भेज रही हैं। शहद को बढ़ावा देने के लिए पीटीआर के पर्यटन के दौरान भी शहद काउंटर बनाया गया है। इस पहल से काफी लोगों को आजीविका का साधन मिला है। यह पहल ग्रामीण समुदाय में सतत आजीविका और वन्यजीव संरक्षण दोनों को साथ लेकर चल रही है। आने वाले समय में इस प्रोजेक्ट से और गांवों के लोगों को जोड़े जाने की योजना है।

एलटीएफ ने दूसरी तिमाही के लिए अब तक का सर्वाच्च प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 735 करोड़ रुपये दर्ज किया

लखनऊ। एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड (एलटीएफ), भारत की अग्रणी गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में से एक ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त दूसरी तिमाही के लिए अब तक का सर्वाच्च प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 735 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो तिमाही–दर–तिमाही 5 प्रतिशत और वर्ष–दर–वर्ष 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस तिमाही में, रिटेल बुक साइज 1,04,607 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो वर्ष–दर–वर्ष 18 प्रतिशत की वृद्धि है। कंपनी ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त दूसरी तिमाही के लिए 18,883 करोड़ रुपये का तिमाही रिटेल डिस्बर्समेंट दर्ज किया, जो वर्ष–दर–वर्ष 25 प्रतिशत की वृद्धि है। खुदराकरण इस 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए 98 प्रतिशत पर खड़ा है। वित्तीय नतीजों पर बात करते हुए, एलटीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री सुदीप्ता रॉय ने कहा इस तिमाही में हमारा पूरा ध्यान एक्सेक्यूशन और ग्रोथ पर था। इससे हमें बैंकिंग–फाइनेंस क्षेत्र की उस तिमाही में भी शानदार नतीजे देने में मदद मिली, जिसे आमतौर पर कमजोर माना जाता है। यह सफलता हमारे सभी बिजनेस क्षेत्रों में बेहतर रफ्तार दिखाती है, जो गांवों और शहरों दोनों जगह पिछले कुछ महीनों की बदलाव योजनाओं से आई है। हमने टेक्नोलॉजी, टैलेंट, ब्रांचों को नया रूप देने और बढ़ाने, ब्रांड को मजबूत करने और कस्टमर सेंट्रिसिटी पर लगातार ध्यान दिया है। यह सब हमारी 5 पिल्लर एक्सेक्यूशन स्ट्रेटेजी का हिस्सा है, और इनका फायदा हमें जल्दी मिलने लगा है। हमारा गोल्ड लोन का धंधा इस साल की पहली तिमाही में पोर्टफोलियो में जुड़ा था, और इस तिमाही में इसने जबरदस्त रफ्तार पकड़ ली। देश भर में नंबर एक गोल्ड फाइनेंस कंपनी बनने के सपने को पूरा करने के लिए, हम शाखायें बढ़ाकर हर जगह पहुंच बना रहे हैं। इस साल के अंत तक हम करीब 200 नई ब्रांचें खोलेंगे, जिससे हमारे गोल्ड लोन की कुल शाखायें लगभग 330 हो जाएंगी।" कंपनी का ग्राहक–केंद्रित प्लानेट ऐप जो ग्राहकों के लिए एक शक्तिशाली डिजिटल चौनल के रूप में उभरा है, ने 30 सितंबर, 2025 तक 2 करोड़ से अधिक डाउनलोड का आंकड़ा पार कर लिया है, जिसमें ग्रामीण पक्ष पर 17.6 लाख से अधिक डाउनलोड शामिल हैं। अब तक, इस चौनल ने 6,400 करोड़ रुपये से अधिक संग्रह किया है, जबकि 934 लाख से अधिक अनुरोधों की सेवा की है और 19,300 करोड़ रुपये से अधिक ऋणों का स्रोत बनाया है। प्लैनेट ऐप को ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में फाइनेंस में सर्वश्रेष्ठ डिजिटल अनुभव ऐप का पुरस्कार भी मिला है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एलटीएफ की इंटरनेशनल इस्सुएर लॉन्ग टर्म क्रेडिट रेटिंग को "बीबीबी–ध्पॉजिटिव"से "बीबीबीध स्टेबल" में अपग्रेड किया है और शार्ट टर्म इस्सुएर क्रेडिट रेटिंग को "ए–3" से "ए–2" में। फिच रेटिंग्स ने एलटीएफ को लॉन्ग टर्म फॉरेन और लोकल करेंसी इस्सुएर डिफॉल्ट रेटिंग्स "बीबीबी–" स्टेबल आउटलुक के साथ सौंपी हैं। ये दीर्घकालिक रेटिंग्स निवेश ग्रेड की हैं और भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग के बराबर हैं। इससे कंपनी को वैश्विक पूंजी बाजारों का लाभ उठाने, लायबिलिटी फ्रैंचाइजी को और विविधीकृत करने तथा निवेशक आधार को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

महिला एसओ ने महिला को परिजनों से मिलकर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या। महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम ने अपने परिजनों से बिछुडी एक महिला को उनके परिजनों से मिलकर सराहनीय कार्य किया इस संबंध में महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया कि बुधवार को करीब 11रू00 बजे अंकिता यादव पुत्री रामशकल, निवासी ग्राम नटवाजोत,थाना दुवलिया, जिला बस्ती को पीआरबी 938 द्वारा महिला थाना लाया गया।इस संबंध में उन्होंने इसकी सूचना संबंधित थाना दुवलिया को दिया स महिला थाना द्वारा दिए गए सूचना पर अंकिता के परिजन महिला थाना परिसर आये।इस मौके पर उन्होंने अंकिता को सकुशल सुपुर्द किया गया। महिला थाना द्वारा किए गए सराहनीय कार्य की उनके परिजनों ने बहुत बहुत बधाई दिया। इस मौके पर महिला उपनिरीक्षक श्वेता राठौड़ महिला कांस्टेबल नेहा, मीरा सहित कई महिला पुलिसकर्मी शामिल है

संक्षिप्त खबरें

गोवंश संरक्षण और गोसंवर्धन के प्रति को जागरूक भी किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 22 अक्टूबर। तहसील शाहगंज के ग्राम सीधाई में गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र द्वारा ग्राम सीधाई स्थित गौशाला का भ्रमण किया गया, जहाँ उन्होंने विधिवत रूप से गौ माता की पूजा–अर्चना की तथा उन्हें गुड़, केला और हरा चारा का भोग अर्पित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने गौशाला में सेवा दे रहे कार्मिकों और सफाई कर्मियों को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी को उनके सेवा कार्यों के लिए साधुवाद भी दिया। जिलाधिकारी ने गो आश्रय स्थल में व्यवस्थाओं को देखते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में जनपद के समस्त गौशालाओं में गोपूजन कार्यक्रम किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने गोवंश संरक्षण और गोसंवर्धन के प्रति जागरूक भी किया। गो पूजन कार्यक्रम के पश्चात जिलाधिकारी ने उपस्थित बच्चों को चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर ग्रामीणजन, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारीगण एवं बच्चे सहित अन्य उपस्थित रहे। इसके साथ ही अन्य गो आश्रय स्थलों में भी गोपूजन कार्यक्रम नामित नोडल अधिकारियों की देखरेख में संपन्न हुआ।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह के जन्मदिवस पर सी एच सी में फल वितरित कर उनके दीर्घायु जीवन एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) बावन सी एच सी पर पुनीत सिंह भोलू ने अपने सहयोगी साथियों के साथ फल वितरित किया और पूर्वांचल के पूर्व सांसद धनंजय सिंह के जन्मदिवस पर यह कामना की कि सांसद जी दीर्घायु हो स्वास्थ्य रहे राजनीति के शिखर तक पहुंचे।उसके बाद प्रसिद्ध शिव संकट हरण सकाहा में भी पूजा अर्चना की और भगवान शिव से प्रार्थना की धनंजय सिंह 2027 में विधायक बनें साथ कैबिनेट मंत्री जैसा दायित्व मिले।पुनीत सिंह ' भोलू ' ने कहा राजनीति में पूर्व सांसद होते हुए पूरे प्रदेश के लोगों की तन मन धन से मदत करते है इसी लिए गरीबों का मसीहा कहा जाता है भैया के दरबार से कभी कोई निराश नहीं लौटा भोलू ने कहा स्वास्थ्य रहे दीर्घायु हो गरीबों के दुःख का हरण करते रहे शिव की कृपा बनी रहे राजनीति में भी जलवा बुलंद रहे मेरी उम्र भी भैया को लग जाए इस मौके पर विशाल सिंह गोलू आकाश सिंह अजीत शुक्ला रिषभ शुक्ला सौरभ अवस्थी अजय यादव गुलवीर आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

हिस्ट्रीशीटर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, घर कुछ ही दूरी पर मिला शव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछली शहर थाना अंतर्गत बभनियांव गांव में हिस्टीसीटर प्रवीण मिश्रा (25) का शव बुधवार सुबह घर से लगभग 500 मीटर दूर एक मशीन पर मिला है। उनके सिर पर चोट के निशान और खून फैला हुआ था। प्रवीण के पिता महेंद्र मिश्रा ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे की गोली मारकर हत्या की गई है। मीरगंज थाने का हिस्टीसीटर प्रवीण मिश्रा मुंबई में एक दुकान चलाता था और दीपावली पर अपने घर आया था। वह बीती मंगलवार रात घर से निकला था। बुधवार सुबह गांव के दीनानाथ मिश्रा की मशीन पर उसका शव बरामद हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही मीरगंज थानाध्यक्ष विनोद अंचल और सीओ प्रतिमा वर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस अभी तक हत्या किन कारणों से हुई इसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाई है। मृतक के पिता महेंद्र मिश्रा ने आरोप लगाया है कि पड़ोसियों ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है और पुलिस ने फर्जी मुकदमे दर्ज कर प्रवीण को हिस्टीसीटर बना दिया था। इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया है और सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के संबंध में जानकारी लेने पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि घटना के बारे में जांच पड़ताल की जा रही है प्रथम दृष्टिया हत्या सदिग्ध है पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है परिजनों से पूछताछ की जा रही है अन्य विधिा कार्रवाई की जा रही है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम ले लिए भेज दिया गया है।

कलम दावात का पूजन कर मनाई गई चित्रगुप्त जयंती

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) गुरुवार को गौरव जन कल्याण संस्थान एवम् अखिल भारतीय चित्रांश वंशज महासभा के तत्वावधान में रामनगर, नीर रोड पर स्थित बाबा रामदास आश्रम में स्थापित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर में सर्वसमाज के आराध्य, न्यायाधीशों के न्यायाधीश , सम्पूर्ण मानव जाति के भविष्य निर्धारक एवं कर्मो का लेखा जोखा रखने वाले श्री चित्रगुप्त भगवान और कलम दवात का पूजन , हवन पंडित हरिद्ध जी ने विधि विधान से करवाया। प्रसाद में पेन, फल और मिठाई वितरित की गई । इस अवसर पर इं० गौरव श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि भगवान राम के अयोध्या आगमन पर भगवान श्री चित्रगुप्त को निमंत्रण नहीं दिया गया जिससे नाराज होकर उन्होंने लेखा–जोखा रखना बंद कर कलम रख दी जिससे यमलोक में समस्या उत्पन्न हो गई तब तुरंत उन्हें आमंत्रित किया गया और द्वितीया से पुनरू लेखा–जोखा रखना शुरू किया तभी से यम द्वितीया को कलम–दवात का पूजन किया जाता है। सर्वसमाज द्वारा यम द्वितीया पर बाबा रामदास में कलम–दवात का पूजन हर वर्ष किया जाता हैं। भगवान श्री चित्रगुप्त जी को कागज, कलम और दवात चढ़ाने से भगवान श्री चित्रगुप्त जी की बरसती है कृपा और संवरती है किस्मत। इस अवसर पर इं० गौरव श्रीवास्तव , राजेश कुमार सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता सर्वोच्च न्यायालय, डॉ० शैलेंद्र श्रीवास्तव, सर्वेन्द्र श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता , वीरेश श्रीवास्तव, रामोद प्रकाश श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव , रजत श्रीवास्तव, दीपिका श्रीवास्तव, हर्षित श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव, हरिओम पंडित , माधुरी श्रीवास्तव , पुष्पलता श्रीवास्तव , शशिबाला श्रीवास्तव , दिव्या श्रीवास्तव, यशवीर श्रीवास्तव , धीरज खरे, विनय श्रीवास्तव ,भावना श्रीवास्तव ,शिवम् श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव ,शोभित श्रीवास्तव , स्वास्तिक श्रीवास्तव, सात्विक श्रीवास्तव , नैना , पाँखी, मिष्ठी, श्याम जी आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

दीपदान करते डीएम शिवशरणप्पा जीएन एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ तनुषा टीआर

बांदा, (संवाददाता)। दीपावली पर्व धन वैभव की कामना को लेकर जिले में धूमधाम व हर्षोल्लासपूर्ण माहौल में मनाया गया। शाम के समय घर, कार्यालय, दुकान और अन्य प्रतिष्ठानों में गणेश–लक्ष्मी, कुबेर और सरस्वती सहित अन्य देवी देवताओं की विधिविधान से पूजा की गई। इसके पूर्व घरों को दीपक और रंग बिरंगी झालरों, मोमबत्तियों से सजाया गया। पूजा के बाद बच्चों ने आतिशबाजी कर खुशियां मनाई और एक–दूसरे को दीपावली की बधाई दी।दीपावली अमावस्या मेला के पावन पर्व पर परिक्रमा मार्ग के बरहा हनुमान मंदिर में प्रशासन द्वारा आयोजित भंडारे में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ तनुषा टीआर ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। साथ ही दीपदान मेले के अवसर पर डीएम ने परिवार सहित मां मंदाकिनी की पूजा–अर्चना की। जिलाधिकारी ने कहा कि दीपावली अमावस्या मेला में उत्तर प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा के साथ कराया जा रहा है। उन्होंने दीपावली अमावस्या मेले में आए हुए श्रद्धालुओं एवं स्थानीय आम जनमानस को दीपावली की शुभ कामनाएं भी दी। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, उप जिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर अरविंद कुमार वर्मा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका लालजी यादव आदि मौजूद रहे। जिले में सोमवार को दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया गया। लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए पहले घरों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सफाई की गई। महिलाओं ने लक्ष्मी के स्वागत को घर द्वार में विशेष रंगोली सजाई। इसके लिए रंग बिरंगे रगों की आ.ति बनाई गई और उनको दीपक से सजाया गया। रंगोली से लोगों के घरों की शोभा में चार चांद लग रहे थे।

जिला प्रशासन से श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद

बांदा, (संवाददाता)। दीपावली के अवसर पर भगवान रामचंद्र की तपोभूमि रामघाट पर भव्य दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, डीएम की धर्मपत्नी चिकित्सा अधिकारी तनुषा टीआर ने विधिवत पूजा अर्चन एवं दीप प्रज्जवलित कर मन्दाकिनी नदी में दीपदान किया। डीएम ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कहा कि दीपोत्सव का पर्व अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। उन्होंने सभी से स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण की रक्षा करने एवं सौहार्द पूर्वक पर्व मनाने की अपील की। तत्पश्चात जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रांन्तीय.त दीपावली अमावस्या मेला पर बरहा के हनुमान जी परिक्रमा मार्ग पर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर अपर उप जिलाधिकारी अजय यादव, उप जिलाधिकारी न्यायिक मानिकपुर पूजा गुप्ता, नगर पालिका परिषद कर्वी ईओ लालजी यादव मौजूद रहे। श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट के अंतर्गत स्थापित रघुवीर मंदिर (बड़ी गुफा) में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बुधवार को रामनाम कीर्तन के साथ बृज के भगवान और पर्वतों के राजा कहे जाने वाले गिरिराज गोवर्धन की पूजा विधिविधान और हर्षोल्लास के साथ की गई।

अल्फाज" ओपन माइक इवेंट में जौनपुर की प्रतिभाओं ने बिखेरा शब्दों का जादू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शब्दों की गरिमा और भावनाओं की गहराई को मंच देने के उद्देश्य से "अल्फाज" द्वारा आयोजित ओपन माइक इवेंट का आयोजन नैनिताल मोमोज कैफे, जौनपुर में किया गया। इस आयोजन ने जौनपुर की युवा प्रतिभाओं को एक ऐसा मंच प्रदान किया जहाँ उन्होंने अपनी रचनात्मकता को खुले दिल से साझा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी, प्रयागराज के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कुवंर शेखर गुप्ता ने आयोजकों और सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा की ऐसे आयोजन साहित्य प्रेमियों को मंच देने के साथ–साथ मानवीय संवेदनाओं को जोड़ने का कार्य करते हैं। जौनपुर की प्रतिभा को देशभर में पहचान दिलाने की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है। उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी पुस्तक "दी क्रोनिकल्स ऑफ लाइफ, लव एंड बियोंड" में रचनात्मक योगदान देने का आमंत्रण भी दिया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में निवेदिता राय, महामंत्री, पूर्वांचल महोत्सव, ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को आत्म–अभिव्यक्ति का अवसर देते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कार्यक्रम में निखिल कुमार ने एक भावपूर्ण गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं का दिल जीत लिया। लगभग 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिंदी और अंग्रेजी में स्वरचित कविताएँ, कहानियाँ, गीत और हास्य प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें जौनपुर की सांस्कृतिक विविधता और भावनात्मक गहराई स्पष्ट रूप से झलकी। अल्फाज संस्था की संस्थापिका श्रेया सिंह ने बताया कि यह आयोजन एक शुरुआत है और भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक रचनात्मक व्यक्तित्वों को मंच मिल सके। निखिल कुमार ने आये हुए सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। ईस आयोजन में टीम के सदस्य मनोनीत, गौरव और निशांत का विशेष सहयोग रहा।

आर.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, बी.के.टी., लखनऊ में आयोजित हुई भव्य फ्रेशर्स पार्टी

लखनऊ डेस्क (प्रत्यूष पाण्डेय). आर.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, बी.के.टी. में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के उपलक्ष्य में एक भव्य फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के चेयरमैन श्री अनिल कुमार अग्रवाल जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। अपने उद्बोधन में उन्होंने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा "आप सभी नए विद्यार्थियों का आर.आर. परिवार में हार्दिक स्वागत है। मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आप जीवन में नई

ऊँचाइयों को प्राप्त करें और अपने माता–पिता तथा संस्थान का नाम रोशन करें।" कार्यक्रम के दौरान प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने सिंगिंग, डांसिंग, मिमिक्री तथा आकर्षक फैशन शो जैसी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। फैशन शो के अंत में डत. थ्तमेैमत नीतेश चौरसिया एवं डपे थ्तमेैमत प्रिया यादव बनी इस अवसर पर संस्थान के सचिव श्री चित्रांशु अग्रवाल जी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि "आप सभी विद्यार्थी आने वाले समय में परिश्रम और लगन से सफलता के नए आयाम स्थापित करें।" इस आयोजन में संस्थान के निदेशक, डीन, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, प्रॉक्टर, प्रथम वर्ष के समन्वयक, सभी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षण स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इसके पश्चात बैंड नाइट का आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खूब आनंद लिया। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन कॉलेज के सांस्कृतिक समूह तरंग द्वारा किया गया, जिसका नेतृत्व खुशी अग्रवाल, इशिका , वंशिका श्रीवास्तव अक्षत, शाश्वत एवं सौरभ ने किया।

आगरा में बनेगी भ्रष्टाचार निरोधक अदालत, मेरठ की दौड़ होगी खत्म

आगरा, (संवाददाता)। प्रदेश के 18 जिलों में भ्रष्टाचार निरोधक अदालतें बनेंगी। आगरा में बनने वाली अदालत में आगरा के साथ ही मैनपुरी, फिरोजाबाद और मथुरा समेत मंडल के सभी जिलों के भ्रष्टाचार संबंधी मुकदमों की सुनवाई होगी। अभी सुनवाई मेरठ में होती है। प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने 16 अक्तूबर को 18 जिलों में 22 नई भ्रष्टाचार निरोधक अदालतें बनाने का आदेश दिया था। यहां पर एडीजेधविशेष न्यायाधीश एंटी करप्शन कोर्ट की तैनाती होगी। एडीजेधविशेष न्यायाधीश एंटी करप्शन कोर्ट में नेताओं, सरकार के राजपत्रित अधिकारियों, पुलिस, प्रशासनिक सहित राजस्व विभाग के खिलाफ भ्रष्टाचार के केसों की सुनवाई की जाएगी। भ्रष्टाचार के मामलों में अभी तक गिने चुने विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कोर्ट संचालित थे। आगरा मंडल समेत आसपास के कई जिलों के भ्रष्टाचार के मामलों में आरोपियों की पेशी मेरठ की भ्रष्टाचार निरोधक अदालत में होती थी। ऐसे में समय और सरकारी धन ज्यादा लगता था। अब एक ही न्यायालय में तीन–चार जिलों के भ्रष्टाचार के मामलों में सुनवाई हो सकेगी। मैनपुरी विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कमल सिंह ने बताया कि शासन और न्याय पालिका लंबित मुकदमों को कम से कम समय में निस्तारित करने के लिए प्रयास कर रही है। आगरा में भ्रष्टाचार निरोधक अदालत बनने से मैनपुरी से संबंधित मुकदमों की जल्द सुनवाई हो सकेगी। मेरठ की कोर्ट में काम का दबाव कम होगा। आगरा कमिश्नेट में विजिलेंस थाना है। इसके अलावा एंटी करप्शन यूनिट हैं। इनमें हर साल सौ से अधिक शिकायत भ्रष्टाचार से संबंधित आती हैं। इन शिकायतों की जांच की जाती है। जांच में काम के बदले रुपये मांगे जाने की पुष्टि होने पर टीम बनाकर गिरफ्तारी की जाती है। गिरफ्तार आरोपी को केस दर्ज करने के बाद मेरठ की कोर्ट में पेश किया जाता है। इसके बाद सुनवाई भी इसी कोर्ट में होती है। आगरा में अदालत बन जाने के बाद इन मामलों की सुनवाई में तेजी आएगी। आरोपियों की पेशी से लेकर साक्ष्य पेश करने में पुलिसकर्मियों को समय की बचत होगी। हर साल दर्जनभर से अधिक भ्रष्टाचारी पकड़े जाते हैं। इनमें शिक्षा, तहसील, निगम से संबंधित अधिक रहते हैं।

केले की ठेले लगाने पर विवाद, बांट–तराजू बना लिए हथियार

आगरा, (संवाददाता)। आगरा के खंदौली के पड़ाव चौराहा पर पुलिस बूथ के पास बुधवार दोपहर को मामूली विवाद ने बवाल का रूप ले लिया। केले का ठेला लगाने के विवाद में दो पक्ष आमने–सामने आ गए। मारपीट के बाद बांट और तराजू से एक दूसरे पर हमला बोल दिया। पुलिस के सामने ही दोनों पक्षों के करीब एक एक दर्जन लोग लड़ते रहे। इससे चौराहे पर अफरातफरी मच गई। मारपीट में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया है। मोहल्ला व्यापारियन, खंदौली निवासी समीर पुलिस बूथ के पास केले का ठेला लगाए हुए था। पास में ही रामसहाय ठेले वाले से ठेला आगे लगाने को लेकर समीर का विवाद हो गया। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के एक एक दर्जन लोग आमने–सामने आ गए। वह गाली गलौज करने लगे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।